

शेरावाली दे बिछुये सुनार गढ़ दे

शेरावाली दे बिछुये सुनार गढ़ दे ।
हीरे मोती बड़े बेशुमार जड़ दे ।
मैं तो पहनाऊँ मइया के पाओं मैं ॥

मैं तो माँ के दर जाऊँगी,
खाली झोली भर लाऊँगी ।
करके दरश मैं तो तर जाऊँगी
लेके बिछुये मैं जाऊँ पहाड़ चढ़ के
मैं तो पहनाऊँ...

खन खन घुँघरू खन खन खनके,
पैरों में माँ के चम चम चमके ।
जैसे चन्दा सूरज चमके
थाम लो हाथ मइया एक बार बढ़के
मैं तो पहनाऊँ...

जो मइया के मन को भाए,
पैरो मैं मां के अजब सुहाए ।
दीपक मन मन्दिर मैं जगाये
इसमें श्रद्धा और सोने के तार जड़ दे
मैं तो पहनाऊँ...

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1707/title/sherawali-de-bichhaye-sunar-gad-de-main-to-pehnau-maiya-ke-pairo-me>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |